



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 634]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 18, 1989/अग्राहायण 27, 1911

No. 634] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 18, 1989/AGRAHAYANA 27, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1989

सं. 281/89-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 1054(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सीमा-शुल्क टैरिफ (विकासशील देशों के बीच व्यापार अधिमानों को विश्व पद्धति संबंधी करार के अधीन माल के उद्गम का अवधारण) नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :—ये नियम किसी सड़भागी द्वारा परेषित उत्पादों को लागू होंगे।

3. परिभाषाएं :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अर्थ स्पष्ट प्रेषित न हो,—

(क) व्यापार अधिमानों को विश्व पद्धति से बैलब्रेड, यंत्रास्त-विया में विकासशील देशों द्वारा हस्ताश्रित और उनके बीच होने वाला व्यापार अधिमानों को विश्व पद्धति से संबंधित करार अभिप्रेत है।

(ख) “अधिसूचना” से भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 236/89-सीमाशुल्क, तारीख 1 सितम्बर, 1989 अधिप्रेत है।

(ग) “सड़भागी” से अधिसूचना के परिशिष्ट 1 या परिशिष्ट 2 में सूचीबद्ध देश अभिप्रेत है।

(घ) किसी उत्पाद के संबंध में “अधिमानों रियायत” से अधिसूचना के अधीन दी गई छूट अभिप्रेत है।

(ङ) ऐसे शब्दों और पदों का, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं परन्तु उन्हें सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) में परिभाषित किया गया है वहीं अर्थ होंगे जो उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

4. उद्यम का अवधारण :—किसी भी उत्पाद को तब तक किसी सहभागी का उत्पाद या विनिर्माण नहीं समझा जाएगा जब तक कि सहायक शीमांकक कलक्टर का यह समाधान नहीं हो जाता है कि ऐसे उत्पादों के संबंध में इन नियमों की अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों का अनुपालन किया गया है।

6. आयात के समय दावा :—उत्पाद या आयातकर्ता आयात के समय,—

(क) यह दावा करेगा कि उत्पाद उस सहभागी का उत्पाद या विनिर्माण है जिस से उन्हें आयात किया गया है और ऐसे उत्पाद अधिमानी रियायत के लिए पात्र है, और

(ख) इन नियमों की अनुसूची में विनिर्दिष्ट माध्यम पेश करेगा।

अनुसूची

(नियम 4 और 5 देखिए)

8. उद्यम उत्पाद :—ऐसे उत्पाद, जो अधिमानी व्यापार व्यवस्था के अन्तर्गत आते हैं और जिन्हें किसी अन्य सहभागी से किसी ऐसे सहभागी के राज्यक्षेत्र में व्यापार अधिमानी की विश्व पद्धति की परिधि के अन्तर्गत आयात किया गया हो और जिन्हें इसके पैरा 5 के अन्तर्गत सीधे परीक्षित किया गया हो, अधिमानी रियायतों के लिए पात्र होंगे, यदि वे निम्नलिखित शर्तों में से किसी के अधीन उद्यम अवस्था के अन्तर्गत हैं :

(क) ऐसे उत्पाद जिनका पैरा 2 में यथापरिभाषित निर्यातकर्ता सहभागी देश में पूर्णतः उत्पादन किया गया हो या अधिप्राप्त किया गया हो; या

(ख) ऐसे उत्पाद जिनका निर्यातकर्ता सहभागी देश में पूर्णतः उत्पादन किया गया हो या अधिप्राप्त किया गया हो परन्तु तब जब उक्त उत्पाद पैरा 3 या पैरा 4 के अधीन पात्र हो।

2. पूर्णतया उत्पादित या अधिप्राप्त :—

पैरा 1 (क) के अर्थात्परिभाषित निम्नलिखित को निर्यातकर्ता सहभागी देश में पूर्णतया उत्पादित या अधिप्राप्त समझा जाएगा :—

(क) उसकी मिट्टी, जल या समुद्रजल से निकाले गए कच्चे या खनिज उत्पाद;¹

(ख) वहाँ पर उगाई गई फसल में प्राप्त कृषि उत्पाद;²

(ग) पशु जो वहाँ पैदा हुआ हो और जिन्हें पाता गया हो;

(घ) ऊपर खंड (ग) में विनिर्दिष्ट पशुओं से अधिप्राप्त उत्पाद;

(ङ) वहाँ किए गए शिकार या मत्स्य से अधिप्राप्त उत्पाद;

(च) मनुष्यी मत्स्य के उत्पाद और उनके जलधानों द्वारा खुरे शत्रु से लिए गए समुद्री उत्पाद;^{3, 4}

1. जिसके अन्तर्गत ईंधन, स्नेहक और संबंधित सामग्री तथा खनिज या अयस्क आते हैं।

2. जिसके अन्तर्गत वन उत्पाद हैं।

3. "जलयान"—यह ऐसे मत्स्य जलयानों के प्रति निवेश है जो वाणिज्यिक मत्स्य में लगे हों और सहभागी देश में राजदूकृत हों और सहभागी देश के किसी नागरिक या नागरिकों या संपत्तियों, भागीदारी निगम या संघ, जो ऐसे सहभागी देशों में सम्पूर्ण रूप से राजदूकृत हों, द्वारा चलाया जाता हो, और जिसके 60 प्रतिशत शेयर ऐसे सहभागी देश के किसी नागरिक या नागरिकों और/या सरकार के हों या 75 प्रतिशत शेयर सहभागी देशों के नागरिक और/या सरकारों के हों। यद्यपि ऐसे द्विपक्षीय करारों के अधीन वाणिज्यिक मत्स्य में लगे जलयानों से, जिनमें ऐसे जलयानों का चार्टर करने/पट्टे पर देने और/या सहभागियों के बीच मरुती पकड़ने में हिस्सा बाँटने का उद्देश्य किया गया हो, लिए गए उत्पाद की अधिमानी रियायतों के लिए पात्र होंगे।

(8) ऊपर खंड (1) में विनिर्दिष्ट उत्पादों से अन्त्य रूप से उसके कारखाना पोतों के फनक पर प्रसंस्कृत और/या बनाए गए उत्पाद;⁵

(9) प्रयोग में लार्ई गई ऐसी वस्तुएँ जिनका संग्रहण किया गया हो और जो केवल कच्ची सामग्री के प्रसंस्करण के लिए उपयुक्त हों;

(10) वहाँ की गई विनियमन सक्रियताओं के कारण अधिप्राप्त अप-गिण्टि और ह्वय;

(11) ऊपर खंड (क) से (स) में विनिर्दिष्ट उत्पादों से अन्त्य रूप से उत्पादित मान।

3. जो पूर्णतया उत्पादित या अधिप्राप्त न हो :—(क) पैरा 1 (ख) के अर्थात्परिभाषित, ऐसे उत्पाद जिनके निर्माण या प्रसंस्करण के परिणामस्वरूप सामग्री, पुर्जें, या उत्पाद का, जिनका उद्यम सहभागी देश से निर्यात देश हो या जो प्रयुक्त अवतारमयिण उद्यम के हों, कुल मूल्य उत्पादित या अधिप्राप्त उत्पाद के एक ओ.पी. मूल्य के 50 प्रतिशत से अधिक न हो और जिनके विनिर्माण की अन्तिम प्रक्रिया निर्यातकर्ता सहभागी देश के राज्यक्षेत्र के अधीन हो, पैरा 3 के खंड (ग) और पैरा 4 के उपबन्धों के अधीन रखे हुए अधिमानी रियायतों के पात्र होंगे।

(ख) क्षेत्रीय करार;⁶

(ग) विना उद्यम वाली सामग्री पुर्जों या उत्पाद का मूल्य निम्नलिखित होगा :

(i) सामग्री, पुर्जों या उत्पाद के आयात के समय फ्री.मार्.एफ. मूल्य, जहाँ उसे साबित किया जा सके; या

(ii) उक्त सहभागी देश के राज्यक्षेत्र में जहाँ निर्माण या प्रसंस्करण किया जाए, अवधारित उद्यम की सामग्री, पुर्जों या उत्पाद के लिए यथाशीघ्र अधिनियमित-योग्य कीमत

4. उद्यम के संबंधित नियम :—ऐसे उत्पाद जो पैरा 1 में उपबंधित उद्यम संबंधी प्रपेक्षाओं को पूरा करते हैं और जिनका प्रयोग किसी अन्य सहभागी द्वारा अधिमानी व्यवहार के लिए पात्र तैयार उत्पाद के निवेश के रूप में किसी सहभागी द्वारा किया जाए उस सहभागी देश के राज्यक्षेत्र में उद्यम उत्पाद समझा जाएगा जहाँ तैयार उत्पाद का निर्माण या प्रसंस्करण हुआ है, परन्तु तब जब कि सहभागी देश के राज्यक्षेत्र में कुल उद्यम विषय वस्तु उसके एक ओ.पी. मूल्य के 60 प्रतिशत से कम न हो।

5. सरकारी ऐजेंसियों द्वारा संबंधित जलयानों या कारखानों पोतों की शबन किसी सहभागी देश का धंडा लगाने की प्रपेक्षा लागू नहीं होती।

6. इस करार के प्रयोजन के लिए "कारखाना पोत" से यथापरिभाषित कोई ऐसा जलयान अभिप्रेत है, जिसे ऊपर खंड (ख) में विनिर्दिष्ट उत्पादों से अन्त्य रूप से फनक पर उत्पादों के प्रसंस्करण और/या बनाने के लिए प्रयोग में लाया जाए।

7. ऐसे उत्पादों की शबन जिनका व्यापार अधिमानी की विश्व पद्धति के अधीन किए गए क्षेत्रीय करारों की परिधि के भीतर किया जाए लागू करने के लिए विशेष कसौटी बनाने के लिए उपबंध करने की आवश्यकता हो तबकी जिस समय क्षेत्रीय करारों की शबन बानी हो उस समय इन करारों की आर ध्यान दिया जा सकेगा।

8. ऊपर पैरा 4 में विनिर्दिष्ट "आशिक" संवयन से यह अभिप्रेत है कि केवल उन उत्पादों को जिनमें एक सहभागी देश के राज्यक्षेत्र में उद्यम संरचित अंतर्गत हो चुकी है हिस्सा में लिया जा सकेगा परन्तु तब जब उनका किसी अन्य सहभागी देश के राज्यक्षेत्र में अधिमानी व्यवहार के लिए पात्र तैयार उत्पाद के लिए निवेश के रूप में प्रयोग किया जाए।

5. प्रत्यक्ष परेक्षण : निम्नलिखित को नियोजित सहायी द्वारा आयोजित सहायी को प्रत्यक्ष परेक्षण समझा जाएगा :

(क) यदि उत्पाद किसी समूहवासी देश के राज्य क्षेत्र से गुजरे बिना बहुत किए जाते हैं ;

(ख) ऐसे उत्पाद जिनके कठन में ऐसे देश में अभिवहन या भस्पायी भस्कर सहित या उनके बिना एक या एक से अधिक मध्यवर्ती समूहवासी देशों में से हो कर पानान्तरण अस्तित्वित हो ।

परन्तु तब जब :

(i) अभिवहन प्रविष्टि भौगोलिक कारणों से या परिवर्तन धर्म-शास्त्रों में श्रम्य रूप से मर्यादित आधारों के कारण व्यापारित हो

(ii) उत्पादों का व्यापार या उपयोग वहां न हुआ हो ;

(ii) उत्पाद उनरई और पुन लदाई से भित्त किसी सत्रिया या उच्छु ठाक बना में रखन के लिए अशक्ति किसी सत्रिया के अर्थात् न रहे हों ।

6. रोकथाम के प्रति अग्रसर --उत्पादों का उद्गम अध्याकरण करने समय पंक्ति का उत पूरे उत्पाद का भाग मपना जाना चाहिए जो उसमें है परन्तु पैकिंग को पृथक भी समझा जा सकता है यदि राष्ट्रीय विधान ऐसे अपेक्षा करता हो ।

7. उद्गम प्रमाणपत्र : अधिमानों रिपारती के लिए पात्र उत्पाद के साथ निर्यातकर्ता सहायी देश की सरकार द्वारा प्रमाणित किसी प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया, उपाय प्रकर में उद्गम प्रमाणपत्र साथ लगा हुआ और सहायी देशों द्वारा विकसित और अनुमोदित प्रमाण प्रक्रिया के अनुसार जारी अन्य सहायी देशों को अधिसूचना भेजी जाएगी ।

8 (क) व्यापार अधिमानों की विश्व पद्धति के अनुच्छेद 3 के पैरा (क) और (ख) और अनुच्छेद 15 तथा राष्ट्रीय विधान के अनुरूप किसी सहायी को ऐसे राज्यों से आने वाले किसी निवेश वाले उत्पादों के आयात से प्रतिबिद्ध किया जा सकता जिनके साथ उनके अधिक और बाणिज्यिक संबंध नहीं हैं ;

(ख) सहायी उद्गम प्रमाणपत्र में निवेशों के उद्गम को विनिर्दिष्ट करने के मामलों में पूरा पूरा सहयोग देगे ।

9. पुनर्विलोकन : एक तिहाई सहायी के अनुसूच पर, जब भी आवश्यक हो, इन नियमों का पुनर्विलोकन किया जा सकेगा और इनमें ऐसे उपाकरण किए जा सकेंगे जिनकी बाबत सहमति हो जाए ।

10. विशेष कमीटी प्रतिशता : कम विकासशील सहायी देशों से आने वाले उत्पादों का पैरा 3 और 4 में स्थापित प्रतिशताओं को लागू अनुसूच 10 प्रतिशत तक अनुसूच कि जा सकते हैं । इस प्रकार पैरा 3 के लिए प्रतिशता 60 प्रतिशत से अधिक न होनी चाहिए और पैरा 4 के लिए प्रतिशता 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी ।

(उद्गम का उपबंध प्रमाणपत्र)
(पैरा 7 देखिए)

1. माल का कहा से परेक्षण हुआ निवेश स.
(निर्यातकर्ता का कारखाना नाम, व्यापार अधिमानों की विश्व पद्धति पता, देश)

(संयुक्त घोषणा और प्रमाणपत्र)

2. माल परेक्षण किस की किया गया में जारी किया गया
(परेक्षित का नाम व पता देश) (देश)
विच्छेद पृष्ठ पर टिप्पण देखिए

3. परिवहन के साधन और मार्ग 4. शासकीय प्रयोग के लिए
(जहां तक जान हो)

5. टैरिफ मद सं.

6. निर्यात और पैकिंग की सं.

7. पैकिंग की सं., पत्र प्रकार ; माल का वर्णन

8. उद्गम कमीटी (विच्छेद पृष्ठ पर टिप्पण देखिए)

9. सकल भार मा अन्य मात्रा

10. राज्यों की संख्या और तारीख

11. निर्यातकर्ता द्वारा घोषणा अधो-हस्ताक्षरी घोषणा करता है कि उपरोक्त व्योरा और कथन सही हैं और इस सर्वा माल का-- (देश)

में उत्पादन किया गया या और वह (आयातकर्ता देश)

को आयातित माल के लिए व्यापार अधिमानों की विश्व पद्धति में उनके लिए विनिर्दिष्ट उद्गम अधिमानों का पुरा करना है ।

स्वात और तारीख प्राधिकृत हस्ताक्षर- स्वात और तारीख प्रमाणित प्राधिकारों के हस्ताक्षर और मोहर

1. सामान्य शर्तें :

अधिमानों के लिए अहित होने के लिए उत्पाद :

(क) संतत्य स्थान के व्यापार अधिमानों की विश्व पद्धति वाले देशों की नियामकों की अनुसूच में अधिमान के लिए पात्र उत्पादों के वर्णन के अनुरूप होने चाहिए ;

(ख) उद्गम को व्यापार अधिमानों की विश्व पद्धति निमाओं के अनुसूच होने चाहिए । परेक्षण की जाने वाली प्रत्येक वस्तु को पृथक रूप से माधिकार अर्हताओं को पूरा करना चाहिए ; और

(ग) उद्गम के व्यापार अधिमानों की विश्व पद्धति नियमों द्वारा विनिर्दिष्ट परेक्षण शर्तों को पूरा करना चाहिए । सामान्यतः उत्पादों का परेक्षण निर्यातकर्ता देश में संतत्य स्थान वाले देश को पैरा 5 के अनुरूप प्रत्यक्ष रूप से किया जाना चाहिए ।

11. बकम 8 में की जाने वाली प्रविष्टियां :

अधिमानों उत्पाद उद्गम के व्यापार अधिमानों की विश्व पद्धति नियमों के पैरा 3 के अनुसार निर्यातकर्ता सहायी देश में पूर्णतया उत्पादित या अभिमान किए जाने चाहिए, या जहां वे निर्यातकर्ता सहायी देशों में पूर्णतया उत्पादित या अभिमान न हों वे पैरा 3 या पैरा 4 के अर्हत पात्र होने चाहिए ।

(क) पूर्णतया उत्पादित या अभिमान उत्पाद . बाक्स 8 में 'क' अक्षर प्रविष्टि करें ;

(ख) ऐसे उत्पाद जो पूर्णतया में उत्पादित या अभिमान न हों, बाक्स 8 में प्रविष्टि निम्नानुसार होनी चाहिए :

1. उन उत्पादों के लिए जो पैरा 8 के अनुसार उद्गम कमीटी को पूरा करते हैं बाक्स 8 में 'ख' अक्षर प्रविष्टि करें । अक्षर 'ख' की प्रविष्टि के बाद पैरा 8 में 'ख' या उत्पाद के, जो समूहवासी न आया हो, मुख्य का राशि का उल्लेख किया जाएगा या प्रयुक्त अनुसूच उद्गम जिस नियमों किए गए उत्पादों के एक.औ. की. मूल्य की प्रतिशता के रूप में अभिव्यक्त किया गया हो ; (उदाहरण 'ख' 50 प्रतिशत)

THE SCHEDULE

(Sec rules 4 and 5)

2. उन उत्पादों के लिए जिनके लिए 4 के अनुसार उद्योग कमीटी को पूरा करने में बाध 8 में "ग" अक्षर प्रविष्टि करें। अक्षर "ग" की प्रविष्टि के बाद उस वृत्त मान को राशि का उल्लेख किया जाएगा जो निर्यातकर्ता राष्ट्रपक्षी देश के राज्यक्षेत्र से आया हो, जिसे निर्यात किए गए उत्पाद के एक.प्रो.बी. मूल्य की प्रतिशतता के रूप में अभिव्यक्त किया गया हो, (उदाहरण "ग" 60 प्रतिशत)।

3. उन उत्पादों के लिए जो नियम 10 के अनुसार विशेष उद्योग कमीटी को पूरा करने में बाध 8 में "घ" अक्षर प्रविष्टि करें।

[क्र. सं. 348/4 88-टी.प्र.र.यू.]
के. एन. दाता, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th December, 1989

No. 281/89-CUSTOMS

G.S.R. 1054(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Customs Tariff (Determination of Origin of Goods under the Agreement on Global System of Trade Preferences among Developing Countries) Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2. Application.—These rules shall apply to products consigned from any participant.

3. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) GSTP means the agreement on Global System of Trade Preferences among Developing Countries signed by developing countries at Belgrade, Yugoslavia on the 13th April, 1988 ;

(b) "notification" means the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 236/89-Customs, dated the 1st September, 1989.

(c) "Participant" means a country listed in Appendix I or Appendix II to the notification.

(d) "preferential concession", in relation to any product means the exemption granted under the notification.

(e) words and expressions used in these rules and not defined herein but defined in the Customs Act, 1962 (52 of 1962), shall have the meanings, respectively, assigned to them in that Act.

4. Determination of origin.—No product shall be deemed to be the produce or manufacture of a participant unless the Assistant Collector of Customs is satisfied that the condition specified in the Schedule to these rules are complied with in relation to such products.

5. Claim at the time of importation.—The importer of the product shall at the time of importation—

(a) make a claim that the products are the produce or manufacture of the participant from which they are imported and such products are eligible for preferential concession, and

(b) produce the evidence specified in the Schedule to these rules.

1. Originating Products.—Products covered by preferential trading arrangements within the framework of the GSTP imported into the territory of a participant from another participant which are consigned directly within the meaning of para 5 hereof, shall be eligible for preferential concessions if they conform to the origin requirement under any one of the following conditions :

(a) Products wholly produced or obtained in the exporting participant as defined in para 2, or

(b) Products not wholly produced or obtained in the exporting participant, provided that the said products are eligible under para 3 or para 4.

2. Wholly produced or obtained.—Within the meaning of para 1(a) the following shall be considered as wholly produced or obtained in the exporting participant.

(a) raw or mineral products extracted from its soil, its water or its seabeds, (1)

(b) agricultural products harvested there, (2)

(c) animals born and raised there,

(d) products obtained from animals referred to in clause (c) above ;

(e) products obtained by hunting or fishing conducted there,

(f) products of sea fishing and other marine products taken from the high seas by its vessels, (3) (4)

(g) products processed and/or made on board its factory ships exclusively from products referred to in clause (f) above ; (4) (5)

(h) used articles collected there, fit only for the recovery of raw materials ;

(i) waste and scrap resulting from manufacturing operations conducted there ;

(j) goods produced there exclusively from the products referred to in clauses (a) to (i) above.

3. Not wholly produced or obtained.—(a) Within the meaning of para 1(b), products worked on or processed as a result of which the total value of the materials, parts or produce originating from non-participants, or of undetermined origin used does not exceed 50 per cent of the f.o.b. value of the products produced or obtained and the final process of manufacture is performed within the territory of the exporting

¹Include minerals fuels, lubricants and related materials as well as mineral or metal ores.

²Include forestry products.

³ Vessels shall refer to fishing engaged in commercial fishing, registered in a participant's country and operated by a citizen or citizens or governments of participants or partnership, corporation or association, duly registered in such participant's country, at least 60 per cent of equity of which is owned by a citizen or citizens and/or government of such participant or 75 per cent by citizens and/or governments of the participants. However the products taken from vessels engaged in commercial fishing under bilateral agreements which provide for chartering/leasing of such vessels and/or sharing of catch between participants will also be eligible for preferential concessions.

⁴ In respect of vessels or factory ships operated by government agencies, the requirement of flying the flag of a participant does not apply.

⁵ For the purpose of this Agreement, the term "factory ship" means any vessel, as defined, used for processing and/or making on board products exclusively from those products referred to in clause (f) above.

participant shall be eligible for preferential concessions, subject to the provision of clause (c) of para 3 and para 4 ;

(b) Sectional agreements;⁶

(c) The value of the non-originating materials, parts or produce shall be :

- (i) The c.i.f. value at the time of importation of the materials, parts or produce where this can be proven, or
- (ii) The earliest ascertainable price paid for the materials, parts or produce of undetermined origin in the territory of the participant where the working or processing takes place.

4. Cumulative rules of origin.—Products which comply with origin requirements provided for in para 1 and which are used by a participant as input for a finished product eligible for preferential treatment by another participant shall be considered as a product originating in the territory of the participant where working or processing of the finished product has taken place provided that the aggregate content originating in the territory of the participant is not less than 60 per cent of its f.o.b. value.⁷

5. Direct consignment.—The following shall be considered as directly consigned from the exporting participant to the importing participant :

- (a) if the products are transported without passing through the territory of any non-participant ;
- (b) the products whose transport involves transit through one or more intermediate non-participants with or without transshipment or temporary storage in such countries, provided that :
 - (i) the transit entry is justified for geographical reason or by considerations related exclusively to transport requirements ;
 - (ii) the products have not entered into trade or consumption there ; and
 - (iii) the products have not undergone any operation there other than unloading and reloading or any operation required to keep them in good condition.

6. Treatment of packing.—When determining the origin of products, packing should be considered as forming a whole with the product it contains. However, packing may be treated separately if the national legislation so requires.

7. Certificate of origin.—Products eligible for preferential concessions shall be supported by a Certificate of Origin in the form annexed issued by an authority designated by the government of the exporting participant and notified to the other participants in accordance with the Certification Procedures to be developed and approved by the participants.

8. (a) In conformity with paragraph (a) and (b) of Article 3 and Article 15 of the Agreement on the GSP and national legislations, any participant may prohibit importation of products containing any inputs originating from States with which it does not have economic and commercial relations.

(b) Participants will do their best to co-operate in order to specify origin of inputs in the Certificate of Origin.

9. Review.—These Rules may be reviewed as and when necessary upon request of one third of the participants and may be open to such modifications as may be agreed upon.

10. Special Criteria percentage.—Products originating in participating less developed countries can be allowed a favourable 10 percentage points applied to the percentages established in paras 3 and 4. Thus, for para 3, the percentage would not exceed 60 per cent, and for para 4, the percentage would not be less than 50 per cent.

⁶ In respect of products traded within the framework of sectoral agreements negotiated under the GSTP, provision may need to be made for special criteria to apply. Consideration may be given to these criteria as and when the sectoral agreements are negotiated.

⁷ "Partial" cumulation as implied by para 4 above means that only products which have acquired originating status in the territory of one participant may be taken into account when used as inputs for a finished product eligible for preferential treatment in the territory of another participant.

Annexure Certificate of Origin

(See Para 7)

1. Goods consigned from (Exporters Business name, address, country)			Reference No. GLOBAL SYSTEM OF TRADE PREFERENCES (Combined declaration and certificate)		
2. Goods consigned to (Consignee's name, address, country)			Issued in (country) see notes over leaf		
3. Means of transport and route (as far as known)			4. For official use		
5. Tariff Item number	6. Marks and numbers of packages	7. Number and kind of packages, description of goods	8. Origin criterion (see Notes overleaf)	9. Gross weight or other quantity	10. Number and date of invoices
11. Declaration by the exporter. The under signed hereby declares that the above details and statements are correct, that all the goods were produced in (country)			12. Certificate. It is hereby certified, on the basis of control carried out, that the declaration by the exporter is correct		

and that they comply with the origin requirements specified for those goods in the Global System of Trade Preferences for goods exported to

(importing country)

Place and date, signature of authorised signatory

Place and date, signature and stamp of certifying authority

I. General Conditions

To qualify for preference, products must.

- (a) fall within a description of products eligible for preference in the schedule of concessions of the GSTP country of designation,
- (b) comply with the GSTP Rules of Origin. Each article in a consignment must qualify separately in its own right; and
- (c) comply with the consignment conditions specified by the GSTP Rules of Origin. In general products must be consigned directly within the meaning of para 5 here off from the country of exportation to the country of destination.

II. Entries to be made in box 8

Preference products must be wholly produced or obtained in the exporting participant in accordance with para 2 of the GSTP Rules of Origin, or where not wholly produced or obtained in the exporting participants must be eligible under para 3 or para 4.

(a) Products wholly produced or obtained enter the letter "A" in box 8.

(b) Products not wholly produced or obtained the entry in box 8 should be as follows :

1. Enter letter "B" in box 8 for products which meet the origin criteria according to para 8. Entry of letter "B" would be followed by the sum of the value of materials, parts or produce originating from non-participants, or undetermined origin used, expressed as a percentage of the f.o.b. value of the exported products, (example "B" 50 per cent.)
2. Enter letter "C" in box 8 for products which meet the origin criteria according to para 4. Entry of letter "C" would be followed by the sum of the aggregate content originating in the territory of the exporting participant expressed as a percentage of the f.o.b. value of the exported product (example "C" 60 per cent).
3. Enter letter "D" in box 8 for products which meet the special origin criteria according to rule 10.

[F.No.348/4/88-TR U]
K.L. DATTA, Dy. Secy.